प्रादर्श प्रश्न पत्र 2013–14
विषय – सामान्य हिन्दी
कक्षा – बारहवीं
सेट–बी

समय– 3 घंटे **पूर्णांक– 100**

निर्देश–

1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. प्रश्न क्र. 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 x 5 x 5 = 25 अंक निर्धारित है।
3. प्रश्न क्र. 6 से 16 तक प्रत्येक प्रश्न हेतु 2 अंक निर्धारित है।
4. प्रश्न क्र. 17 से 19 तक प्रत्येक का उत्तर 30 से 75 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 3 अंक निर्धारित है।
5. प्रश्न क्र. 20 से 25 तक प्रत्येक का उत्तर 75 से 120 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 4 अंक निर्धारित है।
6. प्रश्न क्र. 26 से 27 तक प्रत्येक का उत्तर 120 से 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 5 अंक निर्धारित है।
7. प्रश्न क्र. 28 का उत्तर लगभग 200 से 250 शब्दों में निर्धारित है इसके लिए (7+3) 10 अंक निर्धारित है। जिसमें अ में 7 अंक एवं ब में 3 अंक।

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों की पूर्ति दिये गये विकल्पों में से उचित शब्द का चयन कर कीजिए।

1. यशोधरा ने मन की पीड़ा व्यक्त करने के लिए................का सहारा लिया गया है।

   (ऋतुओं / सखियों)

2. हिमालय और हम कविता के रचयिता............है।

(बालकवि बैरागी / गोपालसिंह नेपाली)

3. हिन्दी साहित्य का प्रथम राष्ट्रीय कवि................को माना गया है।

(भूषण / रामधारी सिंह दिनकर)

4. पानी गए न उबरै.................चून।

(मोती, मानुष / कनक–कनकते)

5. महाभारत के युद्ध में चक्रव्यूह में..................फंसा था।

(अभिमन्यु / अर्जुन)

प्रश्न 2. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कर लिखिए –

(1) 'देनहार कोउ और है' के द्वारा रहीम दास ने संकेत किया है –

(अ) जनता की ओर (ब) संसार की ओर

(स) सम्राट की ओर (द) ईश्वर की ओर

(2) 'भुजंगिनी–सी में अलंकार है –

(अ) रूपक (ब) अनुप्रास

(स) उपमा (द) यमक

(3) कवि बालकवि बैरागी का संबंध किस प्रदेश से है –

(अ) उत्तरप्रदेश (ब) मध्यप्रदेश

(स) गुजरात (द) उत्तरांचल

(4) सिरचन किस प्रकार का व्यक्ति था –

(अ) चोर (ब) स्वाभिमानी

(स) ठग (द) लेखक

(5) वह कौन सा स्थल है, जहां सूर्य समुद्र में डूबता है और समुद्र से ही उगता है –

(अ) बद्रीनाथ (ब) कश्मीर

(स) द्वारिका (द) कन्याकुमारी

प्रश्न 3. निम्नलिखित कथनों में सत्य/असत्य छांटकर लिखिए –

1. मेरे सपनों का भारत निबंध महात्मागांधी द्वारा रचित है।
2. शुक्ल युग का विकास 1920–1940 ई. है।
3. अर्थ की दृष्टि से वाक्य के 6 भेद होते है।
4. अंबु का पर्यायवाची जल है।
5. लोकोक्तियां संपूर्ण वाक्य है।

प्रश्न 4. स्तंभ ''क'' से ''ख'' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए –

	क	–	ख
(1)	बहू जी मंत्र का बड़ा प्रभाव है	–	सुश्रुत
(2)	अमोध शक्ति	–	निबंध
(3)	शल्य क्रियाएं	–	पंडित जी
(4)	दक्षिण भारत की एक झलक	–	काका कालेलकर
(5)	निष्ठामूर्ति कस्तूरबा के लेखक	–	शब्द और कृति

प्रश्न 5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए –

1. तम तोम में कौन सा समास है?
2. अलि का भिन्नार्थक समोच्चरित शब्द लिखिए।
3. भैरवी गीत गाना मुहावरे का अर्थ लिखिए।
4. कृष्ण का विलोम शब्द लिखिए।
5. सूरदास किस रस के सम्राट माने जाते है?

प्रश्न 6. नाइग्राफाल सा किसे कहा गया है?

अथवा

बल और सहृदयता में क्या अंतर है?

प्रश्न 7. शिक्षा के क्षेत्र में कौन–कौन आचार्य प्रसिद्ध हुए है?

अथवा

तीनों बच्चों की दशा कैसी थी?

प्रश्न 8. शुक्ल युग के निबंध की दो विशेषताएं लिखिए।

अथवा

द्विवेदी युग के निबंध की दो विशेषताएं लिखिए।

प्रश्न 9. निबंध के भेदों के नाम लिखिए।

अथवा

भारतेन्दु युग के चार निबंधकारों के नाम लिखिए।

प्रश्न 10. निम्नलिखित का समास विग्रह करके समास का नाम लिखिए। कोई–2

1. यथाशक्ति
2. त्रिभुवन
3. मंत्रीपुत्र
4. चतुर्भुज

प्रश्न 11. निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध कीजिए। कोई–2

1. उसने सभा में भाषण किया।
2. शब्द केवल संकेत मात्र होते है।

3. देशभक्तों को भारी सम्मान मिलता है।

प्रश्न 12. निम्नलिखित वाक्यों में परिवर्तन कीजिए। कोई–2

1. बीमारी के कारण मैं विद्यालय नही जा सका। (संयुक्त वाक्य)
2. मुझे सौरभ का मित्र मिला, जो बुद्धिमान है। (सरल वाक्य)
3. वह पढ़ रहा है। (संदेहवाचक)

प्रश्न 13. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ बताते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए। कोई–2

1. भगीरथ प्रयत्न करना।
2. दुंदभी बजाना।
3. दांत काटी रोटी।
4. तिल–तिल कर जलना।

प्रश्न 14. निम्नलिखित अनेकार्थी शब्दों का अलग–अलग अर्थ बताते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए– कोई–2

1. अंक
2. काल
3. वर्ण
4. अर्क

प्रश्न 15. निम्नलिखित शब्दों के मानक हिन्दी रूप लिखिए। कोई–4

नाइट, खैर, हकीम, फीवर, काबिल, ख्याल, सलीका।

प्रश्न 16. कवि ने सच्चा मित्र किसे कहा है? सच्चे मित्र की कोई दो विशेषताएं लिखिए।

अथवा

पंचतत्व के किन गुणों को मां धारण किए हुए है?

प्रश्न 17. 'कालिका सी किलकि कलेऊ देती काल को' का भाव स्पष्ट कीजिए।

अथवा

माता यशोदा के ह्रदय में बालकृष्ण को देखकर कौन सी अभिलाषाएं जागती है?

प्रश्न 18. हम कहां जा रहे है? से कवि क्या संदेश देना चाहता है?

अथवा

मेष माता तप्त आंसू क्यों बहाती है?

प्रश्न 19. रवीन्द्रनाथ टेगौर को सौंदर्य की अनुभूति कैसे हुई?

अथवा

दुनिया में कौन सी दो अमोध शक्तियां मानी गई है? कस्तूरबा की निष्ठा किसमें अधिक थी?

प्रश्न 20. 'कड़वी भेषज बिन पिये, मिटे न तन की ताप' चन्द्रकांत के इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

अथवा

लेखक के अनुसार नारी किस तरह भारतीय एकता की प्रतीक बन रही है?

प्रश्न 21. नालंदा विश्वविद्यालय की विशेषताएं लिखिए।

अथवा

अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में भारतीय सॉफ्टवेयर की अच्छी साख क्यों है?

प्रश्न 22. समय की पाबंदी के संबंध में गांधी जी का क्या मत था? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

जबलपुर की जेल में लेखिका को किस प्रकार रखा गया था?

प्रश्न 23. 'उल्टे बांस बरेली को' को कवि ने किस संदर्भ में कहा है?

अथवा

समुद्र के जल की अपेक्षा कुएं के जल की प्रशंसा क्यों की है?

प्रश्न 24. निम्नांकित पद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए।

ह्रास मिले या त्रास मिले
विश्वास मिले या फांस मिले
गरजे क्यों न काल ही सम्मुख
जीवन के इन संघर्षों में
दुख कष्ट के दावानल में
तिल तिलकर तन जले न क्यों पर
होठों पर मुस्कार चाहिए।

अथवा

पेड़ों में पत्ते तक उनका, त्याग देखकर त्यागे।
मेरा धुंधलापन कुहरा बन, छाया सबके आगे।
उनके तप के अग्नि कुंड से घर–घर में है जागे।
मेरे कम्प हाय! फिर भी तुम नहीं कहीं से भागे।
पानी जमा परंतु न मेरे, खट्टे दिन का दूध दही।

प्रश्न 25. निम्नांकित अपठित पद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

सबको मुक्त प्रकाश चाहिए, सबको मुक्त समीरण।
बाधा रहित विकास, मुक्त आशंकाओं से जीवन।।
उद्भिज निज चाहते सभी नर बढ़ना मुक्त गगन में।
अपना चरम विकास ढूंढना किसी प्रकार भुवन में।।

प्रश्न 1. इस पद्यांश का भावार्थ लिखिए।

प्रश्न 2. सभी को क्या–क्या आवश्यक है?

प्रश्न 26. निम्नांकित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

आदर्श व्यक्ति कर्मशीलता में ही अपने जीवन की सफलता समझता है। जीवन के प्रत्येक क्षण में वह कार्यरत रहता है। विश्राम और विनोद के लिए उसके पास निश्चित समय रहता है। शेष समय राष्ट्र एवं समाज के प्रति समर्पित होता है। कर्मशील व्यक्ति हाथ पर हाथ रखकर बैठने को मृत्यु से भी बुरा समझता है। उसमें कर्म करने की लगन व उत्साह अत्यधिक मात्रा में होता है। धैर्य के बल पर वह बड़े–बड़े पर्वतों को खोदकर ढहा देता है। कंटकाकीर्ण राह पर चलने में वह संतोष अनुभव करता है। वह दुख और सुख को समान समझता हुआ परिस्थितियों को अपना दास बना लेता है।

प्रश्न 1. उपरोक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

प्रश्न 2. गद्यांश का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 27. पिता जी को एक पत्र लिखिए जिसमें आपकी अध्ययन संबंधी जानकारी का उल्लेख हो।

अथवा

सचिव माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल को 10वीं बोर्ड परीक्षा की द्वितीय अंकसूची प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र लिखिए।

प्रश्न 28. (अ) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200–205 शब्दों में निबंध लिखिए।

1. साहित्य और समाज।
2. कम्प्यूटर एक मानव मस्तिष्क।

3. आतंकवाद : एक ज्वलंत समस्या।

4. भारतीय समाज में नारी का स्थान।

5. विज्ञान का जीवन पर प्रभाव।

(ब) उपरोक्त शेष निबंध में से किसी एक की रूपरेखा लिखिए।

— — — — — —

आदर्श उत्तर
विषय – सामान्य हिन्दी
कक्षा – बारहवीं

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर –

उत्तर 1. रिक्त स्थान की पूर्ति –

1. ऋतुओं
2. गोपालसिंह नेपाली
3. भूषण
4. मोती, मानुष
5. अभिमन्यु

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 2. सही विकल्प का चयन –

1. ईश्वर की ओर
2. उपमा
3. मध्यप्रदेश
4. स्वाभिमानी
5. कन्याकुमारी

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 3. सत्य/असत्य का चयन–

(1) असत्य।

(2) सत्य।

(3) असत्य।

(4) सत्य।

(5) सत्य।

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 4. सही जोडियां –

क		ख
(1) बहू जी मंत्र का बड़ा प्रभाव है	–	पंडित जी
(2) अमोध शक्ति	–	शब्द और कृति
(3) शल्य क्रियाएं	–	सुश्रुत
(4) दक्षिण भारत की एक झलक	–	निबंध
(5) निष्ठामूर्ति कस्तूरबा के लेखक	–	काका कालेलकर

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 5. एक वाक्य में उत्तर –

1. तत्पुरूष।
2. अलि, अली (भौंरा, सखी)।
3. जोश जगाना।
4. श्वेत।
5. वात्सल्य रस।

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 6. पानी का ऊंचे–ऊचे रोशनदानों से निकलकर तहखानों में गिरना इस दृश्य को लेखक ने नाइग्राफाल कहा है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

बल में पुरूषत्व का निवास होता है तथा सहृदयता में देवत्व का निवास होता है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 7. शिक्षा के क्षेत्र में कौटिल्य, पाणिनी, जीवक, अभिनवगुप्त और पतंजलि जैसे आचार्य प्रसिद्ध हुए है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

तीनों बच्चों की दशा अत्यंत दयनीय थी। वे भूख से व्याकुल, शरीर पर वस्त्र के नाम पर चिथडे एवं उनके मुख पर मैल की परत जमी थी। वे गाना गाकर भीख मांगते थे।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 8. शुक्ल युग के निबंध की विशेषताएं –

1. गंभीर तथा प्रौढ़ निबंध।
2. गंभीर तथा साहित्यिक विषयों पर लेखन।
3. भाषा का पूर्णतः विकास।
4. भारतीय संस्कृति का इतिहास।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

द्विवेदी युग के निबंध की विशेषताएं –

1. भाषा व्याकरण सम्मत तथा उसमें कसावट।
2. निबंधों में विवेचन, विश्लेषण, बौद्धिकता का आग्रह।
3. शिल्पगत शैलियों का विकास एवं ज्ञान विज्ञान से संबंधित उच्च स्तरीय निबंध।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 9. निबंध के प्रमुख भेद निम्नलिखित है –

1. भावात्मक।
2. विचारात्मक।
3. वर्णनात्मक।
4. विवरणात्मक।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

भारतेन्दु युग के निबंधकारों के नाम–

1. भारतेन्दु हरिशचन्द्र
2. प्रताप नारायण मिश्र
3. बालकृष्ण भट्ट
4. बद्रीनारायण प्रेमधन।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 10.

1. शक्ति के अनुसार – अव्ययीभाव समास।
2. तीन भुवनों का समूह – द्विगु।
3. मंत्री का पुत्र – तत्पुरूष।
4. चार है भुजाएं जिसकी – बहुब्रीहि।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 11. शुद्ध वाक्य –

1. उसने सभा में भाषण दिया।
2. शब्द संकेत मात्र होते है।
3. देशभक्तों को बहुत समान मिलता है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 12.

1. मैं बीमार हो गया था इसलिए विद्यालय नहीं जा सका।
2. मुझे सौरभ का बुद्धिमान मित्र मिला।
3. शायद वह पढ़ रहा हो।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 13. अर्थ–

1. अत्यधिक प्रयास करना।
2. प्रसन्न होना।
3. घनिष्ठता, प्रगाढ़ प्रेम।
4. घुटकर रह जाना

(वाक्य में प्रयोग स्वविवेक से)

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

उत्तर 14. अनेकार्थी शब्दों के अर्थ –

1. अंक – गोद, गिनती।
2. काल – समय, मृत्यु।
3. वर्ण – रंग, अक्षर।
4. अर्क – सूर्य, रस। (वाक्य प्रयोग स्वविवेक से)

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 15. शब्दों के मानक हिन्दी रूप –

1. नाइट – रात्रि
2. खैर – कुशल

3. हकीम – वैध

4. फीवर – ताप, ज्वर

5. काबिल – योग्य

6. ख्याल – विचार

7. सलीका – तरीका

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 16. विपत्ति में जो सहायता करे वही सच्चा मित्र है।

विशेषताएं–

1. मित्र को उत्साहित करे।
2. सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करें।
3. ईमानदारी, आदर्शचरित्र की शिक्षा देवे।
4. कर्तव्य निर्वाह के लिए असीम धैर्य।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

पंचतत्व के गुण – धरती का धैर्य, आकाश की ऊंचाई, अग्नि की प्रखरता, पवन की गतिशीलता, जल की शीतलता एवं गंभीरता को मां धारण किये है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 17. छत्रसाल की तलवार किलकारी भरती हुई मकाकाली के समान विकट शत्रुओं को मार काट कर यमराज को भोग लेने के लिये प्रस्तुत करती है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

माता यशोदा के ह्रदय की अभिलाषाएं – कृष्ण घुटनों के बल चले, दूध के दांत शीघ्र निकले, तोतली बोली में बोलना प्रारंभ करे, नंदबाबा और यशोदा मैया का उच्चारण करे, आंचल पकड़कर झगड़ा करें, अपने हाथों से थोड़ा खाकर मुख में भरें, अपनी हंसी सभी ओर बिखेरे आदि।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 18. हम छद्म प्रवृत्तियों को उतारकर पाश्चत्य सभ्यता और संस्कृति का अंधानुकरण बंद करके श्रेष्ठता को पहचाने।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

मेष माता अत्यंत निर्बल होने, संतान के छिनने पर वह मौन रहती है उसकी रक्षा करने में अपने को असमर्थ पाती है, इसलिए आंसू बहाती है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 19. दरवाजों से एवं खिड़की से ठंडी हवा का झोंका आया और टैगोर जी का तन बदन चांदनी में नहा गया और इस प्राकृतिक मनोहारी सौंदर्य को देखकर वे अभिभूत हो गए और उनके मुख से निकल पड़ा कि सौंदर्य शब्दों के माध्यम से नहीं बल्कि अनुभव से समझा जा सकता है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

शब्द और कृति दो अमोध शक्तियां मानी है। शब्द में दुनिया को हिलाने की शक्ति होती है और कृति में स्मृति सुरक्षित रहती है। कस्तूबा की निष्ठा कृति की नम्रता के साथ उपासना करके संतोष और जीवन सिद्धि में थी।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 20. आशय यह है कि बिना कड़वी दवा पिये बुखार से छुटकारा नहीं मिलता। ऐलोपेथी की सारी दवाएं बहुत कड़वी होती है किंतु त्वरित गति से लाभ दायक होती है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

हिन्दी फिल्मों के प्रभाव के कारण आधुनिक महाराष्ट्र, तमिल और केरल में नारी की वेशभूषा समान होती जा रही है। सभी स्त्रियां एक जैसी साड़ी पहनती है। जिसका एक छोर दक्षिण कंधे से होता हुआ पीछे एड़ी से छूता हुआ झूलता है। सिर खुला रहने का रिवाज धीरे–धीरे उत्तर के क्षितिज घरों में भी बढ़ रहा है। वेशभूषा में भारतीय नारी एकता की प्रतीक बन गई है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 21. नालंदा विश्वविद्यालय की विशेषताएं –

1. इस विश्वविद्यालय का शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा दबदबा था।
2. इस विश्वविद्यालय में दस हजार विद्यार्थी अध्ययन करते थे।
3. यहां पन्द्रह सौ आचार्य अध्यापन करते थे।
4. यहां दर्शन शास्त्र, बौद्ध दर्शन, इतिहास वेद, ज्योतिष न्याय शास्त्र, चिकित्सा शास्त्र आदि पढ़ाए जाते थे।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

भारतीय सॉफ्टवेयर अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। युवा उद्यमियों का विशाल समूह आगे आ रहा है। हमारा कुशल जन संसाधन विश्व में सबसे इच्छित संसाधनों में से एक है। यह विकसित विश्व के आर्थिक विकास

में भारतीय वैज्ञानिकों तथा उद्यमियों के योगदान से स्पष्ट है। भारत तुरंत बौद्धिक कर्मियों की विशाल संख्या तैयार करने में सक्षम है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 22. समय की पाबंदी से व्यक्ति जीवन में विकास कर सकता है। समय की पाबंदी जीवन में आगे चलकर बड़ी सहायक सिद्ध होती है। समय की कद्र करने वाला व्यक्ति अनुशासित होता है। गांधी जी अपने पुत्र से भी समय की पाबंदी की अपेक्षा करते थे।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

जबलपुर की जेल में दूसरी कोई राजबंदिनी नहीं थी, अतः लेखिका को अस्पताल में वैकल्पिक व्यवस्था के तहत रखा गया था। उनकी सेवा सुश्रुषा के लिए दो महिला कैदियों को नियुक्त किया गया था।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 23. विदेशियों ने हमारी योग साधना, धर्म और नीति की वर्षो पूर्व चोरी की थी आज वे इन्हें नया नाम देकर हमें सिखलाने की कोशिश कर रहे है। हमारी सभ्यता और संस्कृति की चोरी करना और नये कलेवर में उन्हें हमें वापस करने के संदर्भ में इस मुहावरें का प्रयोग किया है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

कुएं के जल को पीकर मनुष्य की प्यास बुझती है। उसके ह्नदय को तृप्ति का अनुभव होता है जबकि समुद्र के जल से व्यक्ति प्यास नहीं बुझा पाता है। वह

प्यासा ही रह जाता है। इसलिए उसकी प्रशंसा की जाती है। अर्थात् हमारे पास यदि थोड़ा धन भी किसी के काम आ सके, उसी में जीवन की सार्थकता है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 24. पद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या –

संदर्भः– प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक मकरंद के पाठ मां बस यह बरदान चाहिए से अवतरित हैं। इसके कवि आधुनिक युग के ओजस्वी, बहुमुखी प्रतिभा के धनी बाल कवि बैरागी है।

प्रसंग :– जीवन के संघर्षों को झेलते हुए भी होठों पर मुस्कान का वरदान कवि मां से मांग रहा है।

व्याख्या :– बाल कवि बैरागी कहते है कि जीवन में मुझे हानि मिले या कष्ट मिले। लोगों का भरोसा प्राप्त हो या मुझसे लोग विश्वासघात करे। मेरे सामने आकर काल चाहे गर्जना क्यों न करे किन्तु मेरा स्वाभिमान सदैव बना रहे। जीवन के संघर्षों, दुखों को सहता रहूं। कष्ट की अग्नि में मेरा शरीर जंगल की आग की तरह धीरे–धीरे जलता रहे पर हमेशा मैं मुस्कान बिखेरता रहूं।

संदर्भ 1 अंक, प्रसंग 1 अंक, व्याख्या 2 अंक, कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

पद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या –

संदर्भः– यह पद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक मकरंद के पाठ यशोधरा की व्यथा से उद्धृत है। इसके कवि राष्ट्रीय एवं राम भक्त श्री मैथिलीशरण गुप्त है।

प्रसंगः– जब पतझड़ ऋतु आती है तब यशोधरा की पीड़ा बढ़ जाती है। सिद्धार्थ के त्याग और तपस्या से प्रकृति भी प्रेरणा ले रही है।

व्याख्याः– सिद्धार्थ की घोर तपस्या को देखकर, उनके विलासी तथा आराम को छोड़कर वैराग्य लेने से शिक्षा ग्रहण कर पेड़ों ने अपने वैभव पत्तों को त्याग दिया है। शिशिर ऋतु में चारों ओर, कुहरा छाया हुआ हो जैसा कि मेरे सामने भविष्य धुंधला दिखाई दे रहा है। स्वामी तपस्या के लिए अग्नि कुंड जलाते है वैसे ही प्रत्येक घर में सर्दी को दूर करने के लिये अलाव जल रहे है। लोग ठंड से कांप रहे है। मैं विरह में कांप रहीहै। कंपन अलाव से भी दूर नहीं हुआ। मेरे दुख के दिन इतनी पीड़ा झेलकर भी खत्म नहींहुए। सर्दी से पानी जम गया पर मेरी आंखों के आंसू नहीं जमे। जिस प्रकार ठंड में दूध से दही नहीं जमता वैसे ही मेरा दुख नहीं जमा। ठंड के रूप में मेरी तरह पीड़ा को सहन किया है।

संदर्भ 1 अंक, प्रसंग 1 अंक, व्याख्या 2 अंक, कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 25. अपठित पद्यांश के उत्तर –

उत्तर 1. भावार्थ– संसार में सभी लोगों को खुला प्रकाश तथा खुली हवा की जरूरत है। सभी बाधा तथा भय के बिना विकास करना चाहते है। आकाश में वृक्ष की तरह बढ़ना चाहते है तथा संसार में अपनी सभी से अधिक उन्नति चाहते है।

उत्तर 2. सभी को खुला प्रकाश, खुली हवा एवं उन्नति की आवश्यकता है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 26. अपठित गद्यांश के उत्तर –

उत्तर 1. शीर्षक– व्यक्ति और कर्म।

उत्तर 2. निरंतर कर्म करते रहना ही जवीन की सफलता है। कर्मशील व्यक्ति हमेशा व्यस्त रहता है। उसमें काम करने की लगन और उत्साह होता है। धैर्य रखकर वह कठिन से कठिन कार्य पूर्ण कर

लेता है। सुःख और दुःख में भी धैर्य धारण कर परिस्थितियों को अपने अधीन बना लेता है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 27.

अध्ययन की जानकारी देते हुए पिताजी को पत्र

26, मल्हार गंज, इन्दौर

दिनांक...........................

पूजनीय पिताजी,

सादर चरण स्पर्श।

मैं यहां कुशलता पूर्वक हूॅ आशा करता हूॅ आप भी वहां सकुशल होंगे। आपका पत्र मिला। आपने मेरी पढ़ाई के बारे में चिन्ता व्यक्त की है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूॅ कि मेरी पढ़ाई बहुत अच्छी चल रही है। अर्द्धवार्षिक परीक्षा में भी मैंने कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया है तथा आगे की तैयारी भी बहुत अच्छी चल रही है। आप किसी भी प्रकार की चिन्ता न करें एवं अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

पूज्य माताजी को चरण स्पर्श कहियेगा। बंटी और रिंकी को स्नेह।

आपका बेटा

मयंक शर्मा

कक्षा–XII वर्ग 'स'

पताः–

श्री मोहनलाल जी शर्मा

ग्राम– घोंसला

जिला– उज्जैन (म.प्र.)

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

प्रति,

श्री सचिव महोदय,

माध्यमिक शिक्षा मण्डल,

भोपाल (म.प्र.)

विषयः– अंकसूची की द्वितीय प्रति भेजने के संबंध में।

महोदय जी,

उपर्युक्त विषय में निवेदन है कि मेरी कक्षा दसवीं की अंकसूची की मूल प्रति कहीं खो गई है। मैंने यह परीक्षा सन् 2009 में उत्तीर्ण की थी। अतः मुझे अंकसूची की द्वितीय प्रति भेजने का कष्ट करें। इसके लिए निर्धारित शुल्क मैंने बैंक ड्राफ्ट क्र. 36680 से आपके कार्यालय में भेजा है। मेरा संपूर्ण विवरण निम्नलिखित हैः–

1. नाम	–	अनुराग जैन
2. पिता का नाम	–	श्री महेन्द्र कुमार जैन
3. परीक्षा का नाम	–	हाई स्कूल सर्टीफिकेट परीक्षा–2003
4. परीक्षा केन्द्र क्र.	–	5072
5. परीक्षा केन्द्र का नाम	–	शा.उ.मा.विद्यालय, बैतूल
6. अनुक्रमांक	–	12251376
7. नियमित / स्वाध्यायी	–	नियमित
8. पूरा पता	–	अनुराग जैन पिता श्री एम.के. जैन सिविल लाइन, बैतूल पिन कोड 490002

9. संलग्न बैंक चालान — 20/— दिनांक 21.10.2011

विनीत

अनुराग जैन

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 28. (अ) निबंध—

साहित्य और समाज

भूमिका :— साहित्य मानव जीवन से जुड़ा है कहीं भी वह मानव जीवन से अलग नहीं है। उसका निर्माण मनुष्य अपने जीवन के लिए करता है। अतः साहित्य सामाजिक विषय है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है वह अकेला नहीं रह सकता, उसने अपने जीवन में एकाकीपन तथा उदासीनता को मिटाने के लिए ही साहित्य का निर्माण किया है।

साहित्य और समाज का सम्बन्ध :— द्विवेदी जी के शब्दों में साहित्य समाज का दर्पण है अर्थात समाज का वास्तविक स्वरूप साहित्य में देखा जा सकता है। समाज निर्माण के पश्चात साहित्य का निर्माण होता है और दोनों एक दूसरे को प्रभावित करते रहते हैं। समाज की विविध प्रकार की गतिविधियों का ही साहित्य में अंकन किया जाता है। साहित्यकार अपनी सामग्री का चयन समाज के विस्तृत उद्यान से ही करता है। मानव जीवन से अलग साहित्य की कल्पना असंभव है। साहित्य समाज के विभिन्न अंगों की प्रवृत्तियों की विवेचना करता है तथा उन्हें सुरक्षित रखता है। मनुष्य की मनुष्यता का एक महत्वपूर्ण अंग साहित्य होता है तथा समाज की जीवनदायिनी शक्ति देने का कार्य इसी के द्वारा होता है।

समाज का साहित्य पर प्रभाव :– वैदिक साहित्य के अवलोकन से ज्ञात होता है कि समाज में प्रकृति पूजा चलती थी। भारत कृषि प्रधान देश है और उस युग में कृषि की उन्नति के लिए प्रकृति की प्रसन्नता अपेक्षित थी। कृषि कार्य में गोवंश की अति उपयोगिता के प्रभाव से ही गाय का महत्व इतने विस्तार से कहा गया है। इसी प्रकार वर्णाश्रम व्यवस्था का इतना व्यापक गुणगान तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था का प्रभाव है। कला का जो विकास उस युग के समाज में हो रहा था उसका प्रभाव बिहारी, देव आदि कवियों की वाणी पर भी स्वाभाविक ढंग से पड़ा। अतः पग–पग पर साहित्य समाज से प्रभावित होता रहता है।

साहित्य का समाज पर प्रभाव :– साहित्य मनोवृत्तियों का ही भाषा–चित्र होता है तथा पाठक ह्दय को उपर्युक्त अवसर पर प्रभावित करता है। समाज में क्रिया प्रतिक्रिया का क्रम चलता ही रहता है। कर्मकाण्ड की गूढ़ता ने पशु बलि की अधिकता तथा जाति पाति की कठोरता आदि सामाजिक तथ्यों ने गौतम के विचारों को झकझोरा। उन्हें सत्य, अहिंसा, गुरूजन सेवा आदि से संबंधित साहित्य से प्रेरणा प्राप्त हुई और उन्होंने स्वयं एतदिवषयक साहित्य का निर्माण किया। फलस्वरूप समाज के रूप में क्रमशः सुधार होता जा रहा है। इसी प्रकार विदेशियों के अत्याचार से पीड़ित जनता ने साहित्य से भक्ति और अध्यात्मवाद की प्रेरणा पाई तथा उससे संघर्ष करने की शक्ति भी उत्पन्न हुई।

साहित्य समाज की प्रेरक शक्ति :– साहित्य निर्माण में कल्पना शक्ति का प्रधान हाथ है। समाज और साहित्य की घनिष्ठता का मूल कारण है मानव प्रवृत्तियां। इन्हीं प्रवृत्तियों के संकेत पर दोनों का कार्य आगे बढ़ा है। समाज को प्रेरणा देने वाली शक्ति साहित्य में है। जो कार्य अस्त्र शस्त्र, बल पौरूष तथा दबाव आदि से कठिनाई से भी नहीं हो पाता वही कार्य साहित्य से सरलतापूर्वक हो जाता है। किसी भी समाज को बदलने के लिए उसके साहित्य का बदलना आवश्यक है।

उपसंहार :– समाज का सांस्कृतिक ढांचा परिस्थितियों के प्रभाव से विकृत हो जाता है। उसके सुधार की अपेक्षा का अनुभव सभी करते हैं। जीवन के भौतिक और आध्यात्मिक दो पहलू हैं और दोनों के विकास से ही मानव जीवन सुख, शांति और आनन्द की प्राप्ति कर सकता है। आज जीवन के एकांगी यानी भौतिकवादी विकास से सम्बद्ध साहित्य का निर्माण अधिक हो रहा है, अतः समाज की उन्नति एकांगी है आवश्यकता आज आध्यात्मिक विचारधारा की है, तत्सम्बन्धी साहित्य के प्रचार प्रसार की अन्यथा मानव जीवन में परम आनन्द को नहीं प्राप्त कर सकेगा।

(कुल 7 अंक)

(ब) **रूपरेखा –**

विज्ञान का जीवन पर प्रभाव

1. प्रस्तावना।
2. विज्ञान : एक वरदान, अभिशाप।
3. स्वास्थ्य।
4. कृषि और उद्योग।
5. शिक्षा और मनोरंजन।
6. जीवन उपयोगी सामग्री।
7. उपसंहार।

कुल 3 अंक

निर्देशः– निबंध लिखते समय एवं रूपरेखा लिखते समय क्रमबद्धता भूमिका, विवेचना या वर्णन एवं उपसंहार अर्थात मुख्य भाव आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

– – – – –